केवल पढ़ने के लिए
Only for Reading

5

सही समय

पाठ-प्रवेश

समय की महिमा अद्‌भुत है। समय, समय होता है। वह सही-गलत या अच्छा-बुरा नहीं होता। अच्छा-बुरा होता है—जीवन। एक ही समय पर कोई व्यक्ति सुख अनुभव करता है, अन्य किसी का जीवन उस समय संकटों में घिरा होता है। किसी का जीवन कभी भी ठहर जाता है, पर समय गतिशील है। वह कभी नहीं ठहरता है।

सही समय ज्ञात[1] करना
आसान नहीं है,
अकसर हमें सही समय का
पता नहीं होता।

दीवारों पर टँगी या
कलाई पर बँधी घड़ियाँ,
या तो समय से आगे होती हैं
या फिर समय से पीछे।

शहर के घंटाघर की घड़ियाँ
बंद पड़ी रहती हैं कई दिनों तक,
पुलिस लाइन में बजने वाले घंटों की
आवाज़ सुनाई नहीं देती इन दिनों।

ऐसे में सही समय ज्ञात करना
आसान नहीं है,
घड़ियाँ अगर सही भी चल रही हों,
तब भी यह कहना मुश्किल है
वे समय सही बता रही हैं।
दरअसल[2] समय, समय होता है
आगे या पीछे हम होते हैं या घड़ियाँ,

शब्दार्थ
1. जानना; 2. वास्तव में

अच्छा या बुरा जो होता है
उसे तो होना ही है,
समय अच्छा या बुरा नहीं होता
अच्छा या बुरा होता है जीवन।
एक ही समय में
अनेक जीवन जी रहे होते हैं लोग,

समय के साथ चलता है जीवन
चलते-चलते ठहर जाता है जीवन,
समय न ठहरता है
न मुड़कर देखता है,
मुड़कर देखता है जीवन
समय आगे निकल जाता है।

–गोविंद माथुर

लेखक-परिचय

गोविंद माथुर का जन्म 4 मई 1945 को जयपुर, राजस्थान में हुआ था। ये f
सिपाही एवं जाने-माने कलामकार थे। इनकी प्रमुख कृतियाँ शेष होते हुए, दी
धूप, उदाहरण के लिए आदमी, तथा नमक तरह आदि बहुचर्चित एवं लोकप्रिय है
के लिए परिमल पुरस्कार तथा सुमेनश जोशी पुरस्कार आदि से सम्मानित किय

अभ्यास

बात पाठ की

मुख से

इन प्रश्नों के उत्तर बताइए।

क. कवि को सही समय का पता कराना मुश्किल क्यों लगता है?

पाठ - 5

सही समय

कवि - श्री गोविंद माथुर

शब्दार्थ :

1. ज्ञात - जानना
2. दरअसल - वास्तव
3. कलाई - पाणिमूल

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

① सही समय - - - - - - - - इन दिनों।

सन्दर्भ प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य - पुस्तक हिन्दी के पाठ - 5 'सही समय से ली गई है इसके कवि श्री गोविंद माथुर जी है।

प्रसंग: कवि श्री गोविंद माथुर जी ने इन पंक्तियों में समय की अद्भुत महिमा का बखान किया है।

PAGE NO. :
DATE : / /

अर्थ कवि श्री गोविंद माथुर जी कहते है कि समय का कोई पहचान नही सकता है। दीवारो व कलाई की घड़ियाँ भी समय से आगे चलती या पीछे यह भी कोई जान नही सकता। शहर के घंटाघर की घंडियाँ कई दिनों तक बंद रहती है। लोगों को उनकी देख-रेख का भी समय नही है। पुलिस लाइन मे बजने वाले घंटो की आवाज भी आज-कल सुनाई नही देती: क्योंकि वे लोग अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक नही हैं।

② घड़ियाँ अगर - - - - - - - जाता है।

अर्थ- कवि कहते है कि घड़ियाँ सही भी चल रही है तब भी हम यह नही कह सकते की वे सही समय बता रही है समय तो समय होता है आगे-पीछे तो हम होते होते है अच्छा-बुरा हमारा जीवन होता है एक ही समय में कई लोग अनेक जीवन जीते है। जीवन तो समय के साथ चलता है और चलते-चलते रूक जाता है। समय न तो रूकता और न ही मुड़कर देखता है। समय गतिशील है वह आगे ही बढ़ते जाता है।

अभ्यास

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो।

क घंटाघर की घड़ियों के कई दिनों तक बंद रहने से कवि का क्या तात्पर्य हैं?

उत्तर शहर के घंटाघर की घडियाँ कई दिनों तक बंद पड़ी रहती हैं। इससे पता चलता है कि लोग उनकी देख-रेख के प्रति सचेत नही हैं। अत: कवि कहते है कि घड़ियाँ ठीक चलें इसके लिए सचेत होने की जरूरत है।

ख 'इन दिनों पुलिस लाइन में बजने वाले घंटो की आवाज सुनाई नहीं देती'. इसमें क्या व्यंग्य छिपा है?

उत्तर पुलिस लाइन में बजने वाले घंटो की आवाज़ इन दिनों सुनाई नही देती: क्योंकि वे लोग अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक नहीं हैं। वे हर काम में लापरवाही बरतते है, जिससे काम समय पर नही होते हैं।

ग यदि घड़ियाँ सही चल रही हैं, फिर भी कहना क्यों मुश्किल हो गया है कि घड़ियाँ सही समय बता रही हैं?

उत्तर यदि घड़ियाँ सही चल रही है. तब भी हम यह नही कह सकते की वे समय सही बता रही है। क्योंकि समय, तो समय होता है अच्छा - बुरा होता है - जीवन। एक ही समय पर कोई व्यक्ति सुख अनुभव करता है, अन्य किसी का जीवन

उस समय संकटों मे घिरा होता है। किसी का जीवन कभी भी ठहर जाता है. पर समय गतिशील है।

घ अच्छा या बुरा क्या होता है? जीवन कब ठहर जाता है?

उत्तर अच्छा या बुरा तो जीवन होता है अगर जीवन में सुख- दुःख आना है तो वह आकर ही रहता है। समय अच्छा- बुरा नही होता है। जीवन समय के साथ चलता है और चलते- चलते ठहर जाता है। लेकिन समय किसी के लिए नही रुकता है।

ङ. जीवन में समय आगे क्यों निकल जाता है?

उत्तर समय जीवन से आगे निकल जाता है, क्योंकि जीवन मुड़कर देखता है और चलते - चलते ठहर जाता है। पर समय निरंतर गतिशील है, वह न ठहरता है. न पीछे मुड़कर देखता है।

व्याकरण

प्र.1 निम्नलिखित शब्दों के वर्ण- विच्छेद कीजिए।

क ज्ञात - ज + ञ + आ + त + अ

ख घड़ियाँ - घ + अ + ड़ + इ + य + आँ

PAGE NO. :
DATE : / /

ग मुश्किल - म् + उ + श् + क् + इ + ल् + अ

घ अच्छा - अ + च् + छ + आ

प्र.२ विलोम शब्द लिखो।

क अच्छा - बुरा

ख ज्ञात - अज्ञात

ग आगे - पीछे

घ सही - गलत

ङ शहर - गाँव, देहात

च आसान - मुश्किल

छ जीवन - मरण

ज समय - असमय